बोरेक्स का प्रयोग करके, टमाटर एवं गोभी वर्गीय सब्जियों की उपज बढ़ायें

पंतनगर। 8 सितम्बर, 2009। पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों के लिए सब्जी उत्पादन आय का एक प्रमुख साधन है। वर्तमान सूखे की स्थिति में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इस समय पर्वतीय क्षेत्रों में टमाटर एवं गोभी की फसलों की अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान के वैज्ञानिक डा. पी.सी. श्रीवास्तव ने बताया कि टमाटर, फूल गोभी एवं पात गोभी की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए मुख्य पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश) के अतिरिक्त सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे बोरान, आयरन का प्रयोग भी आवश्यक है। बोरान की कमी होने पर शीर्षस्थ भाग (एपिकल मेरीस्टेम) विकृत होकर अंदर की ओर मुड़ जाता है जिससे फूल गोभी में फूल ठीक से नहीं बनता है तथा पात गोभी में पत्तियों का गठन ठीक से नहीं होता है और उपज में काफी कमी आ जाती है। उन्होंने बताया कि बोरान की कमी दूर करने के लिए 2 ग्राम बोरेक्स प्रति लीटर पानी में घोलकर पहला छिड़काव रोपाई के 15 दिन बाद तथा दूसरा छिड़काव फूल बनने के पहले करना चाहिए। बोरेक्स गुनगुने गर्म पानी में घोलना चाहिए। डा. श्रीवास्तव ने बताया कि टमाटर की फसल में भी बोरेक्स की कमी का उपज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पौधों की शाखाओं के शीर्ष अंदर की ओर मुड़ जाते हैं और सूख जाते हैं। पत्तियाँ छोटी, टेढी–मेढ़ी एवं बदरंग हो जाती हैं। टमाटर के फूल फल लगने से पहले ही झड़ जाते हैं। इस प्रकार उपज में भारी कमी आती है। इसके लिए भी 2 ग्राम बोरेक्स प्रति लीटर गर्म पानी के हिसाब से घोलकर रोपाई के दो हफ्ते बाद पहला छिड़काव करें और दूसरा छिड़काव फूल आने से पहले करने से फूल झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। एक छिड़काव फल लगने के बाद भी कर देना चाहिए। सूक्ष्म पोषक तत्वों के घोल का छिड़काव खुले मौसम में सुबह के समय करना चाहिए। तेज हवा बरसात या कड़ी धूप में छिड़काव नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से सब्जियों में लगभग 30–40 प्रतिशत की कमी आ जाती है।